



# सहेली

अपने प्रोफेशन में सबसेसफल होने के लिए जरूरी है, अपने वर्क पर फोकस रहें, समय पर टार्गेट अचीव करें और उन आने वाली बाधाओं का आपको आभास हो, जो भविष्य में आ सकती हैं। साथ ही यह भी जरूरी है कि बदले समय के अनुसार आप टेक स्मार्ट भी बनें। लेकिन कुछ लोग ऐसा कर नहीं पाते। इसके लिए जरूरी है, अपने वर्क को सही ढंग से मैनेज करें, यह कैसे संभव है, जानें।



## खुद को दें वक्त

एनर्जी री-स्टोर करने के लिए खुद को थोड़ा आराम देने के लिए टाइम निकालें। काम के बीच में ब्रेक लेना, परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताना या अपने शौक पूरे करना भी जरूरी है। इससे आप अधिक ऊर्जावान होकर स्पष्ट सोच पाएंगी, भविष्य के लिए बेहतर निर्णय ले सकेंगी।

## विभिन्न लक्ष्यों में सामंजस्य जरूरी

विभिन्न लक्ष्यों के बीच सामंजस्य बैठाने के लिए आप अपने सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों और उन्हें हासिल करने वाली गतिविधियों को साफ-साफ डायरी में लिख लीजिए, इसके बाद यह समझने की कोशिश करें कि कौन से लक्ष्य आपस में जुड़े हैं, एक-दूसरे की पूर्ति करते हैं। उदाहरण के लिए अगर आपका लक्ष्य फिट रहना और स्टडी में भी अच्छा प्रदर्शन करना है तो नियमित व्यायाम दोनों में मदद करेगा। यह आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा और स्टडी के लिए एनर्जी भी देगा। इसी तरह जब आप अपने दोनों लक्ष्यों के सामंजस्य को पहचान लेंगी तो आपकी छोटी-सी मेहनत भी एक साथ कई बड़े लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगी।

## इच्छाओं के जाल में न उलझें

हर इच्छा, लक्ष्य नहीं हो सकती। कई बार मन में उभरे विचार सिर्फ प्रलोभन होते हैं, जो आपकी मेहनत को बर्बाद करते हैं। इसलिए आत्म-नियंत्रण बेहद जरूरी है, ऐसी अनुत्पादक, निरर्थक इच्छाओं को समय रहते पहचानना और उनसे जितना संभव हो दूर रहना बेहद जरूरी है।

## बाधाओं का अंदाजा रखें

जब आप कोई लक्ष्य निर्धारित करें तो उसके रास्ते में आने वाली संभावित बाधाओं का पहले से अंदाजा लगाएं। ऐसा करने से आप विचलित होने की बजाय, अपने मुख्य उद्देश्यों पर ही टिकी रहेंगी। संघर्ष करने से कभी हिचकेंगी नहीं, अपना मनचाहा टार्गेट पा लेंगी।

## भविष्य में बच्चे तभी सुनेंगे आपकी जब बचपन में आप सुनेंगे उनकी

बहुत से अभिभावक अपने बच्चों की बातों पर ध्यान नहीं देते, उनकी उलझनों और सवालियों को इग्नोर कर देते हैं। लेकिन ऐसा करने से उनके कोमल मन पर बुरा असर पड़ता है। जो वर्षों बाद अभिभावक को बच्चों से मिलने वाली उपेक्षा के रूप में सामने आ सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपने बच्चों की हर बात को पूरे ध्यान से सुनें।

## परवरिश कृति आर. के. जैन

अगर किसी दिन आपका बच्चा आकर आपसे कहे, 'मम्मी, मुझे आज स्कूल नहीं जाना।' इस पर आप बिना इसकी वजह पूछे, बस उससे कह देती हैं, 'नहीं कोई बहाना नहीं चलेगा, चुपचाप तैयार होकर स्कूल जाओ।' तो उस क्षण आप भले सोचें कि आप बच्चे को अनुशासित रख रही हैं। लेकिन ऐसा बार-बार करने से बच्चे के मन में आपके प्रति भरोसे का छोटा-सा दरवाजा बंद हो रहा होता है। समय बीतता है, बच्चा बड़ा होता है। किशोरावस्था के किसी मोड़ पर वह अपने कमरे में खुद को बंद कर लेता है। चुप, उलझा हुआ, भीतर ही भीतर टूटा हुआ। आप बाहर खड़ी होकर बार-बार पुकारती हैं, 'क्या हुआ बताओ बेटा?' लेकिन तब तक वह दरवाजा लकड़ी का नहीं रह जाता। वह अनकही बातों, दबी भावनाओं की मोटी दीवार बन चुका होता है।

दरअसल, जो अभिभावक अपने बच्चों की छोटी-छोटी बातों को, उनकी उलझनों को नहीं सुनते, वे बच्चे बड़े होने पर अपने पैरेंट्स की बातों, उनकी हियदयतों कुछ नहीं सुनते।

समझने से पहले उन्हें समझें: हम अक्सर मान लेते हैं कि बच्चों को समझाना हमारा अधिकार है, जबकि सच यह है कि उन्हें समझना हमारा सबक बड़ा फर्ज है। जब सात-आठ साल की बच्ची कहती है, 'मां, मुझे यह प्रॉक पसंद नहीं।' इस पर अगर आप जवाब देती हैं, 'पहने इसे, इतने पैसे खर्च करके खरीदा है।' तो आप सिर्फ कपड़े की नहीं, उसकी पसंद, उसकी पहचान और उसकी इच्छा की कीमत कम कर देती हैं। वही बच्ची जब बड़ी होकर पैरेंट्स के पसंद के किसी रिश्ते से इंकार कर देती है या करियर की राह अपने मन से चुन लेती है तो पैरेंट्स को लगता है कि वह हमारे बारे में नहीं सोचती। सच यह है कि हमने उसके लिए सौचाना कभी सीखा ही नहीं था। सुनना सिर्फ कान खोलना नहीं, दिल खोलना भी होता है। अगर आप मोबाइल में बिजी हैं, और आपका बच्चा आपसे कुछ कह रहा है तो मोबाइल को एक मिनट के लिए साइड में रख देने से कोई बहुत बड़ा काम नहीं बिगड़ जाएगा। लेकिन उसकी बात ध्यान से अगर आप सुनती हैं तो वह बच्चा



यह समझ जाता है कि उसकी भावनाएं, उसकी बातों और उसकी मौजूदगी की उसके अभिभावक की नजर में बहुत कीमत है। इससे उसके भीतर कहीं संस्कार भी निर्मित होता है कि अपनों की बात को सुनना चाहिए। बचपन का भरोसा रहता है उम्र भर: जिस बच्चे की आवाज को बचपन में जगह मिलती है, वह किशोरावस्था की दहलीज पर पहुंचकर न तो भावनाओं को छुपाता है, न ही विद्रोह की आग में जलता है। वह खुलकर बताता है। दोस्तों की गलत सगत से लेकर पहले प्रेम की घबराहट तक, करियर की उलझनों से लेकर मन में उठती बेचैनी तक, सब कुछ। जिस बच्चे की छोटी-सी बात आज आप धैर्य से सुन लेते हैं, वही बच्चा कल आपकी सबसे बड़ी परेशानी में आपके लिए सबसे धरोसेमंद साथी बन जाता है।



बिना रोके-टोके सुनें उसकी बात: अगर आज हम अपने बच्चे की बात को हंसकर, टालकर, 'अरे, बच्चों की बातें हैं।' कहकर किनारे कर देंगे, तो आने वाले वर्षों में वही बच्चे हमारी बात को 'बूढ़ों की जिद' कहकर हवा में उड़ा देंगे। उस दिन हमें हमारा ही घर कैसा लगेगा? उस दिन हमें बहुत तकलीफ होगी यह सोचकर कि हमारे बच्चे हमारी ही नहीं सुनते लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि उनके बचपन में संवाद का पुल तो हमने ही तोड़ दिया था। कभी-कभी पूरे भविष्य की दिशा एक ही पल तय कर देता है। इसलिए आज अपने आप से वादा कीजिए, जब आपका बच्चा कुछ कहे तो बीच में रोके-टोके बिना, उसकी पूरी बात सुनिए, क्योंकि बचपन में मिलने वाला यह सुनने का छोटा-सा मौका, जो आज बेहद साधारण लगता है, वही कल रिश्तों को मजबूत रखने वाला सबसे बड़ा आधार बनता है।

## ऐसे मैनेज करें वर्क समय पर अचीव होंगे टार्गेट

## कवर स्टोरी शिखर चंद जैन

उस दिन सुनीता अपनी कुलीग कामिनी से बोली, 'यार सब बोलते हैं, बड़े सपने देखो, बड़ा सोचो, अपने टार्गेट बड़े रखो। तभी बड़ी सक्सेस पाओगी, लेकिन मैंने तो सब कुछ करके देख लिया। रोज अपने वर्क की लिस्ट बनाती हूं। सुबह से रात तक पूरी मेहनत से काम करती हूं। इसके चलते फेमिली और फ्रेंड्स को टाइम नहीं दे पाती, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पाता।' अपनी बात कहकर सुनीता ने कामिनी से यह भी जानना चाहा, 'तुम सब कुछ कैसे मैनेज कर लेती हो, जो फेमिली को भी टाइम देती हो और अपने प्रोजेक्ट भी समय पर कंप्लीट कर लेती हो और तुम्हारा प्रमोशन



आसानी से अचीव कर सकता है, जब वह उन इच्छाओं को छोड़ दे, जो उसके मिशन के अपोजिट हों। जी हां, अगर आप कुछ छोटी-छोटी बातों को ध्यान रखें तो अपने सभी काम टाइम से मैनेज कर सकती हैं, आसानी से अपने लक्ष्य पूरे कर सकती हैं।

## टेक स्मार्ट बनिए

आज के समय में स्मार्टफोन और इंटरनेट ने दूरियां कम कर दी हैं। टेक सेवी व्यक्ति को कार्य क्षमता बढ़ा दी है। पहले आपको किसी व्यक्ति से मिलकर ही सब बातें करनी होती थीं, मीटिंग के लिए दूर जाना पड़ता था, पेंमेंट के लिए बैंक जाना पड़ता था, इसमें समय खर्च होता था। अब आप अपनी डेस्क पर बैठकर एनईएफटी, आरटीजीएस या यूपीआई से पेंमेंट कर सकती हैं। वीडियो कॉल या जूम मीटिंग से एक साथ कई लोगों के साथ डिस्कस कर सकती हैं। ई-मेल, क्लाउड एप से डॉक्यूमेंट, फोटो, सैपल भेज सकती हैं। जहां फिजिकल सैपल भेजना हो, वहां पोर्टेबल एप के माध्यम से भेज सकती हैं। इसलिए टेक स्मार्ट बनिए, समय के साथ चलिए।

## डालें सपोर्ट लेने की आदत

सबसे पहले आपको अपनी सभी जिम्मेदारियों की समीक्षा करनी होगी। इसके लिए आपको तय करना होगा, कौन से काम आपको खुद करने हैं, कौन से काम आपको अपनी टीम को सौंपने हैं, ताकि आप बेहतर तरीके से सभी काम तय सीमा में पूरे कर सकें। साथ ही आप यह जानें कि कौन से कामों की जिम्मेदारी दूसरों को देने से आपको कोई दिक्कत नहीं होगी और कौन-से काम आपको स्वयं करना चाहिए?

## बेवजह बिजी न रहें

आप दूसरों के कामों में न उलझें। बेवजह लोगों से मिलना-जुलना बंद करें। गैरजरूरी मीटिंग्स से दूर रहें ताकि आपका समय बर्बाद

न हो। जब-तब मीटिंग्स अटेंड न करें। अगर किसी मीटिंग में आपकी मौजूदगी जरूरी नहीं है तो उसमें से खुद को हटा लें। ऐसा करने से आपका अतिरिक्त बोझ हल्का हो जाएगा, आप अपने मुख्य काम पर ज्यादा ध्यान दे सकेंगी।

## सजेरेशन नधु सिंह

सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है। सुबह और शाम ज्यादा ठंडी महसूस होती है। दिन छोटे होने के कारण शाम को अंधेरा जल्दी होता है। घर से बाहर रहने पर बस मन करता है कि जल्द से जल्द घर में पहुंच जाएं। लेकिन घर में गर्माहट का एहसास तभी होगा, जब आप अपने घर को विंटर रेडी बनाएंगी, अपनी जीवनशैली में जरूरी बदलाव करेंगी। सर्दी के आने वाले दिनों के लिए जब खूब ठंड पड़ेगी, उसके लिए अपने घर को इस तरह तैयार कर लें, जो आपके लिए आरामदायक हो।

ऐसे बनी रहेंगी गर्माहट: गर्मी के मौसम में जहां हल्के कूलिंग इफेक्ट वाली कॉटन ड्रेसों से फर्निशिंग जरूरी होती है। ठीक इसके विपरीत सर्दी के मौसम में बुलेन बेडशीट, पर्दे, रस, सोफा कवर, तर्किए के गिलाफ, कुशन कवर हों तो वे गर्मी को रोकते हैं और कमरे की गर्माहट को बनाए रखते हैं। ऊनी कालीन एक प्राकृतिक इंसुलेशन एजेंट की तरह काम करता है। इनसे हम सर्दियों में कमरे को ज्यादा आरामदायक बनाकर ऊर्जा की खपत कम करके कमरों को गर्म रख सकते हैं।

बेडरूम में मिले कोजी फील: सर्दी के मौसम में हम सभी का बेडरूम में ज्यादा समय बीतता है। इसलिए जितना संभव हो, उसमें बदलाव करना चाहिए। गर्मियों के लिए हल्के बिस्तर की जगह, बुलेन बेडशीट, पि्लो कवर, रस, कालीन, पर्दों का इस्तेमाल करें ताकि कमरों में गर्मी बनी रहे। आप रात भर आराम से सो सकें और बेडरूम के लुक को भी खूबसूरत बना सकें। इसके लिए गहरे रंगों की बेड शीट्स, कुशन कवर और पि्लो कवर का इस्तेमाल करें, जो गर्माहट लाने में हेल्प करते हैं। दरवाजे-खिड़कियों में बदलाव: सर्दी के दिनों में कमरे की ज्यादातर

जिस तरह से गर्मी के मौसम में गर्माहट का काम एहसास हो, इसके लिए हम अपने घर में कई बदलाव करते हैं। उसी तरह सर्दी के मौसम में भी कुछ बदलाव कर सकते हैं, इनसे ठंड का एहसास कम होगा। इन छोटे-छोटे और ईजी बदलावों के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेगी।

## क्या आप कर चुकी हैं अपने घर को विंटर रेडी!



## तैयार कर लें गर्म ड्रेसेस

आने वाले दिनों में कड़के की ठंड के लिए मोटे फैब्रिक की ड्रेसेस और कंबलों को तैयार रखें। अगर उन्हें ट्रंक या दीवार में स्टोर करके रखा गया है, तो उनको धूप लगेवाले के बाद ही इस्तेमाल करें। टोपी, दस्ताने, गोजे और घर के अंदर पहनने के लिए घेसी चप्पल मंगवा लें, जो पैरों को गर्म रख सकें। हाथ पैर और सिर से ज्यादा ठंड लगती है। इसलिए बुलेन गोजे, दस्ताने और कैप भी निकाल लें।

गर्मी, खिड़की और दरवाजों से निकलती है, इसलिए उन्हें प्लास्टिक की सीलिंग से या बोर्ड से सील करवा दें। उन पर मोटे फैब्रिक वाले पर्दे लगाएं। पर्दे ऐसे हों चाहिए कि धूप और गर्मी अंदर आ सके और जो रात में ठंड को अंदर आने से रोक सकें। शाम के बाद दरवाजे और खिड़कियों को बंद करके रखें। बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजों की दरारों को सील करवाएं ताकि घर में गर्माहट बनी रहे।

पोर्टेबल स्टोव: जब ठंड ज्यादा बढ़ती है तो आग तपाने से बड़ी राहत मिलती है। तपाना गिरने पर आप चाहें तो पोर्टेबल इलेक्ट्रिक हीटर या गैस स्टोव को किचन के बजाय कहीं अन्य सुविधाजनक स्थान पर रखकर खाना बना सकती हैं, इससे घर को गर्म रखा जा सकता है। वैकल्पिक तरीके भी आजमाएं: सर्दी के दिनों में जब पावर कट ज्यादा होता है तो ऐसे में इलेक्ट्रिक से चलने वाले इन्स्ट्रूमेंट्स जैसे हीटर और ब्लोअर यूज नहीं हो पाते हैं। ऐसे में अपने घर को गर्म बनाए रखने के वैकल्पिक तरीके भी रेडी रखें। वार्म पैड या फायर प्लेस को दुरुस्त रखें, ये बिजली की तुलना में सस्ते तो होते ही हैं, बिजली न होने पर ठंड से परेशान होने की बजाय इनके इस्तेमाल से घर को गर्म रखा जा सकता है। यहां बताए गए इन तमाम उपायों को आजमा कर आप अपने घर के वातावरण को आसानी से गर्म रख सकती हैं।



## हेयर केयर

शहनाज हुसैन, ऑलोटोनालिस्ट

सर्दियों के मौसम में कम तापमान की वजह से बालों में खुरकी बढ़ जाने से बालों का खराब हो जाता है। इस मौसम में ज्यादातर लोग बालों को धोने के लिए गर्म पानी का उपयोग करते हैं। इससे बालों में खुरकी हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि सर्दी के मौसम में गुनगुने पानी का उपयोग करें और गर्म पानी से नहाने से परहेज करें। जिससे बालों के टूटने का खतरा बढ़ जाता है। गर्म पानी बालों से प्राकृतिक तेल सोख लेता है, जिससे बाल शुष्क हो सकते हैं। इसके साथ ही डेडड्रफ और स्केल्प में खुजली की समस्या भी हो सकती है। सामान्य तापमान के और गुनगुने पानी से नहाने से बालों में नमी बरकरार रहती है और बाल मुलायम, चमकदार बने रहते हैं। कंडीशनर का यूज करें: सर्दी के मौसम में ऐसे शैंपू और कंडीशनर का उपयोग करें, जो

## इस मौसम में ऐसे करें बालों की देखभाल

बालों को नमी प्रदान करते हैं। इन उत्पादों में एलोवेरा, शिया बटर और किरिंटिन आदि तत्वों से बालों को पोषण मिलेगा और बालों में नमी बरकरार रहेगी। सर्दियों में लाइट वेट हाइड्रेटिंग सीरम और लीव इन कंडीशनर के उपयोग से बालों में नमी बनी रहेगी और बाल मुलायम बने रहेंगे। अल्ट्राहैल और सल्फेट युक्त शैंपू या कंडीशनर बालों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। नारियल तेल: बालों में लगातार खुरकी को वजह से डेडड्रफ की समस्या गंभीर हो जाती है। डेडड्रफ और दो मुंहे बालों की समस्या से निपटने के लिए गर्म तेल से मालिश काफी लाभदायक साबित होती है। सप्ताह में एक या



दो बार शुद्ध नारियल तेल को गर्म करके इसे सिर पर लगाएं। इसके बाद एक तौलिया को गर्म पानी में डुबोकर निचोड़ लें और 5 मिनट तक सिर पर बांध लें। इस प्रक्रिया को 3-4 बार दोहरा लीजिए और तेल को रात भर बालों में लगा रहने दीजिए। अगर आपके बालों में डेडड्रफ है तो अगली सुबह सिर में नींबू का रस लगाकर 15 मिनट बाद बालों को धो लें। बालों को धोने के लिए हल्के गर्म पानी का ही प्रयोग करें। शैंपू करने के बाद पानी के मग में दो चम्मच सिरका डालकर बालों को धो लें फिर अच्छे तरीके से साफ पानी से भी बालों को धो डालें। मसाज जरूर करें: रूखापन बढ़ने की

## एडवाइस प्रतिभा अग्निहोत्री

इंग्लिश वर्ड वर्क-वैकेशन से मिलकर बना यह शब्द 'वैकेशन' आज की जेन जी यंगस्टर्स का सबसे फेवरेट शब्द है, जिसमें वे एक जगह रुककर काम करने के स्थान पर अलग-अलग रिमोट एरियाज में जाकर ऑफिस वर्क करते हैं। आजकल अधिकांश कंपनियों ने अपने एंप्लॉइज को वर्क फ्रॉम होम दे दिया है, जिसके कारण वे एक कमरे में बैठकर काम करते हैं। निरंतर एक ही स्थान पर काम करने के कारण धीरे-धीरे उन्हें काम और जगह दोनों से ही बोरीयत होना शुरू हो जाती है, फिर उनका काम में मन नहीं लगता। इस बोरीयत से बचने के लिए यंगस्टर अपना लैपटॉप और ऑफिस का अन्य जरूरी सामान लेकर दूर-दराज के टूरिस्ट प्लेस पर चले जाते हैं, वहां रहकर चर्किंग ऑनवर में काम करते हैं, शेष समय में वे आस-पास की जगहों पर घूमते हैं। इस तरह वे वर्क और वैकेशन दोनों को एक साथ कर लेते हैं। यदि आप भी वैकेशन पर जाने का प्लान कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें- समय से कर लें बुकिंग: जिस भी जगह पर

## जब जाएं वर्केशन पर रखें इन बातों का ध्यान

वर्क फ्रॉम होम करने वाले यंगस्टर एक जगह काम करते ऊब जाते हैं, इसलिए वे अलग-अलग रिमोट एरियाज में जाकर काम करना पसंद कर रहे हैं। अगर आप भी वर्केशन पर जा रही हैं तो किन बातों का ध्यान रखें, जानें।



तैयारियों पर ध्यान दे सकें। नेटवर्क है बहुत जरूरी: चूंकि आजकल सारे काम इंटरनेट के माध्यम से होते हैं, इसलिए स्थान चुनने से पहले वहां नेटवर्क की उपलब्धता सुनिश्चित कर लें, क्योंकि कुछ पर्यटक स्थलों पर नेटवर्क की बहुत प्रॉब्लम रहती है। नेटवर्क न होने पर आपका काम प्रभावित हो सकता है। जानकारी लेकर आएं: जिस स्थान पर आप जा रही हैं, उसकी पूरी जानकारी यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम या फिर बुकिंग कर लें ताकि आप निश्चित होकर अन्य

अपनी तय जगह पर जाकर काम करने के साथ-साथ सुगमता से घूम भी सकें। अपने परिवारजनों और मित्रों को गंतव्य स्थल की पूरी जानकारी देकर जाएं ताकि आपात स्थिति में आपसे संपर्क किया जा सके। पैरेंट्स को यूं करें तैयार: अक्सर अविवाहित युवा बेटियों को इस तरह से अकेले वैकेशन पर भेजने के लिए पैरेंट्स तैयार नहीं होते, ऐसे में विरोध करने की बजाय उन्हें प्यार से वकईने के बारे में डिटेल जानकारी दें ताकि वे खुशी-खुशी मानसिक रूप से तैयार हो सकें।

बजट का रखें ध्यान: चूंकि वैकेशन के दौरान आप अधिक समय तक एक ही जगह पर रहती हैं, इसलिए बजट फ्रेंडली प्लेस का सेलेक्शन करना बहुत जरूरी है ताकि आप कम खर्च में वैकेशन एंजॉय कर सकें। जरूरी उपकरण लेकर जाएं: रॉमिंग सिम कार्ड, पावर बैंक, मोबाइल और लैपटॉप का चार्जर आदि अपने साथ लेकर जाएं। जरूरी दवाएं साथ रखें: यदि आप कोई मेडिसिन लेती हैं तो उसे पर्याप्त मात्रा में लेकर जाएं। इसके साथ-साथ बुखार, पेटदर्द, सिरदर्द और वॉर्मिंग की दवाएं भी अपने साथ जरूर लेकर जाएं ताकि जरूरत पड़ने पर आप उनका उपयोग कर सकें।

**खबर संक्षेप**

**डॉ. गुलाब सिंह सिहाग बने प्रधान**  
सिरसा। दूरदर्शन सेंट्रल संगठन हरियाणा का एक महत्वपूर्ण बैठक 30 नवंबर 2025 को आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश के अधिकांश सदस्यों ने हिस्सा लिया, जिसमें संगठन के अगले कार्यकाल के लिए सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों का चुनाव संपन्न हुआ। संगठन ने सिरसा से डॉ. गुलाब सिंह सिहाग को सर्वसम्मति से संगठन का प्रधान चुना है। धर्मेश गोस्वामी को उप प्रधान, कासिम खान को सचिव, सुरेंद्र कुमार को कैशियर, प्रवीण मुद्गिल को प्रेस सचिव, पवन शर्मा को सह सचिव और नवीन महेशोत्रा व सुधीर शर्मा को पैटर्न चुना गया।

**छात्र पारस का नेशनल क्रिकेट टीम में चयन**

**टोहाना।** भूना रोड स्थित सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल के छात्र पारस का चयन नेशनल अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता में हरियाणा की टीम में हुआ। स्कूल प्राचार्या मारियालीन लुईस ने बताया कि स्कूली गोम्स फंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में स्टेट अंडर 19 खेलते हुए पारस ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। स्टेट प्रतियोगिता में पारस ने मैच ऑफ द सीरीज का खिताब हासिल किया तथा नेशनल के लिए हरियाणा की टीम में अपना स्थान बनाया। उप प्राचार्या कुलदीप कौर ने छात्र पारस की सफलता का श्रेय कोच मनदीप सिंह व स्कूल मैनेजमेंट को दिया।



फतेहाबाद। शोभा यात्रा में भाग लेते श्रद्धालु।

**शोभायात्रा निकाल बड़ोपल नहर में किया प्रतिमा का विसर्जन**

**फतेहाबाद।** सर्व श्री चंडी माता मंदिर अशोक नगर में जारी श्री शतचण्डी हवनारम्भ महायज्ञ और रूद्रयाग के समापन के बाद मां छिन्मता की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान शोभायात्रा निकाली गई। यह यात्रा अशोक नगर मंदिर से शुरू हुई जोकि शहर के विभिन्न बाजारों से होते हुए बड़ोपल नहर तक पहुंची। जहां धूमधाम से प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान जय माता दी के जयकारों से माहौल गूंज उठा। मंदिर गद्दीनशीन माता सत्यमदेवा ने नेतृत्व में इस शोभायात्रा में श्रद्धालु भजनों पर झूमते रहे।

**एनसीएम स्कूल कागदाना में वार्षिक खेल समारोह संपन्न**



सिरसा। कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

चोपटा। एनसीएम स्कूल कागदाना में सोमवार को 32वें वार्षिक खेल समारोह संपन्न हो गया। अंतिम दिन का पहला कबड्डी फाइनल मैच अंडर 19 बॉयज टीम आजाद हाउस व टीम सुखदेव हाउस के बीच हुआ। यह मैच दो बार टाई होने के बाद गोल्डन रेंड में फाइनल फैसला हुआ। आज का यह मैच बड़ा ही धमाकेदार रहा। इसके बाद दूसरा मैच अंडर 17 बॉयज टीम डी (राजगुरु हाउस) व टीम बी (मगत सिंह हाउस) के बीच कबड्डी का हुआ। यह मैच टाई रहा रहा। फिर पांच पांच रैड का मोकामला करवा कर फैसला हुआ। अंत में यह मैच राजगुरु हाउस ने जीत लिया। स्कूल के 32वें खेल समारोह में एनसीएम खेल रत्न सहित 640 इनाम वितरित किए गए। आज के इस खेल समारोह में बॉयज का एनसीएम खेल रत्न बारहवीं कक्षा के साहिल को मिला व गर्ल्स का एनसीएम खेल रत्न कक्षा ग्यारहवीं की दीपिका को मिला।

**सब्जी मंडी में नपा की जमीन पर निर्माण विवाद पर सचिव का एक्शन**

भूना। सब्जी मंडी के मुख्य द्वार के पास नगर पालिका की करोड़ों रुपये की मूल्यवान खाली जमीन पर निर्माण कार्य शुरू होने की शिकायत सामने आते ही पालिका सचिव दीपक कुमार ने तुरंत खसाने लेंते हुए कार्रवाई शुरू कर दी। सचिव को लुट्टी के दिन निर्माण कार्य शुरू होने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ गई थी। मामले की जानकारी मिलते ही सचिव ने मौके का निरीक्षण किया और संबंधित दुकानदार को पालिका कार्यालय में तलब करके दस्तावेजों की जांच की। जानकारी के अनुसार, दुकानदार द्वारा जिस स्थान पर दुकान का निर्माण किया जा रहा था, वह जगह नगर पालिका की खाली जमीन बताई जा रही है। इस पर पार्षदों एवं स्थानीय लोगों ने अवैध कब्जे की आशंका जताई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सचिव दीपक कुमार ने दुकान का नक्शा, स्वीकृति पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज मांगे। दस्तावेजों की जांच के दौरान कई बिंदुओं पर सचिव ने नहीं मिलने पर सचिव ने निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए। इसके बाद सब्जी मंडी में निर्माणधीन दुकान के संचालक ने नगर पालिका को एक लिखित बयान सौंपा, जिसमें उन्होंने कहा है कि वे नगर पालिका की जमीन पर कब्जा नहीं करेंगे और जहां पुराने समय में सार्वजनिक शौचालय बना हुआ था, उस दिशा में दुकान का गेट और पेंडी नहीं बनायेंगे। संचालक ने यह भी कहा कि वे निर्माण के अनुमति पत्रों का निर्माण कार्य करेंगे और बिना स्वीकृति किसी तरह का अतिक्रमण नहीं किया जाएगा।

दुकानदार का लिखित बयान-कब्जा नहीं करेंगे

**उपायुक्त ने समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनीं बिना बिल खाद और पेस्टीसाइड बेचने वाले दुकानदार पर कार्रवाई की मांग**

**शिकायतों से जल्द समाधान के निर्देश**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

गांव काजलहेड़ी के हवा सिंह ने बिना बिल खाद बीज व पेस्टीसाइड बेचने वाले दुकानदार पर कार्रवाई करने तथा उसे पूर्णरूप से बंद करवाने की मांग की है। हवा सिंह सोमवार को फतेहाबाद के लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में शिकायत लेकर पहुंचा था। समाधान शिविर में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने लोगों की समस्याएं सुनीं। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने कहा कि आमजन की समस्याओं का प्रभावी एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग से जुड़ी लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करवाना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने



फतेहाबाद। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते हुए उपायुक्त डॉ. विवेक भारती। फोटो: हरिभूमि

अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविरों में जिलावासियों की शिकायतों के समाधान में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। इसके साथ-साथ अपने विभाग से संबंधी सरकार की योजनाओं बारे में भी लोगों को जानकारी दें, ताकि सरकार द्वारा चलाई जा रही जन

कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जा सके। समाधान शिविर में काजलहेड़ी निवासी हवा सिंह ने बिना बिल खाद बीज व पेस्टीसाइड बेचने पर कार्रवाई करने तथा उसे पूर्णरूप से बंद करवाने, हसंगा निवासी सुनील कुमार, रामचंद्र, रामनिवास व रामकिशन ने हक्का कानूनों द्वारा निशानदेही की रिपोर्ट जानबूझकर गलत करने पर कार्रवाई,

फतेहाबाद निवासी ओम प्रकाश व पीलीमंदी निवासी होशियार सिंह ने राशन कार्ड बनवाने, नहला निवासी सावित्री ने विधवा पेंशन बनवाने, रत्नाखड़ा निवासी सुभाष खलेरो ने आरटीआई एक्ट के तहत सूचना उपलब्ध करवाने, किरदान निवासी राय सिंह ने सीएम विंडो शिकायत पर अति शीघ्र कार्रवाई करने व एवाई कटे हुए राशन कार्ड को दोबारा चालू करवाने तथा किरदान निवासी रोशनी देवी ने

**समाधान शिविर सरकार की महत्वपूर्ण पहल**

उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर हरियाणा सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, प्रभावी व संतोषजनक समाधान करना है। प्रत्येक अधिकारी इसी भावना और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। इस मौके पर एसडीएम राजेश कुमार, डीएसपी कुलवंत सिंह, डीडीपीओ अनूप सिंह, नप ईओ राजेंद्र सोनी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बीपीएल कटे हुए राशन कार्ड को दोबारा चालू करवाने संबंधी अपनी शिकायत रखी।

**भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा में पुनः स्थापित करना एनईपी-2020 का उद्देश्य : प्रो. शर्मा**



सिरसा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते अध्यापकगण। फोटो: हरिभूमि

**रोड मैप विषय पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए विद्यालय मुखियाओं के लिए रोड मैप विषय पर तीन दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से राजकोटी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मेला वाड, में शुरू हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम सचिव डॉ. राकेश मोहन एवं संयोजक डॉ. विनोद अग्र ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के समस्त खंडों के आरोही, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक एवं उच्च एवं पौष्प श्री विद्यालयों के कार्यरत सभी विद्यालय प्रधानाचार्यों एवं मुख्याध्यापकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिन प्रातःकालीन सत्र में चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय के कुलपति के तकनीकी सलाहकार, मानविकी संकाय अधिष्ठाता और अनेकों एवं विदेशी भाषा विभागा के अध्यक्ष प्रो. डॉ. पंकज शर्मा एवं शिक्षा

विभाग से प्रोफेसर डॉ. राजकुमार बतौर संसाधन व्यक्ति शिरकात की। प्रो. शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपराय सांस्कृतिक विरासत और नैतिक मूल्यों को शिक्षा में पुनःस्थापित करना है, ताकि विद्यार्थी अपने मूल्यों, जड़ों और धरोहर पर गर्व कर सकें। प्रो. राजकुमार ने कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में कारिक्तारी परिवर्तन लाने वाली यह दूरदर्शी शिक्षा नीति छात्र/केंद्रित, समग्र एवं कौशल आधारित सीखने की प्रक्रिया को अधिक लचीला एवं रोचक बनाते हुए विद्यार्थियों में चरित्र निर्माण, मानवीय मूल्य और जीवन-कौशल विकसित करने का काम करेगी। सभी प्रतिभागी विद्यालय मुखियाओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ऑनलाइन पंजीकृत कराया गया और इसके बाद प्री टेस्ट भी लिया गया। इस मौके पर डाक्टर प्रवक्ता रसूज दुबगल, पवन कनोजिया, टीजीटी प्रीति शर्मा, पीआरटी उमेश सिंह एवं राहुल सहित सभी प्रतिभागी विद्यालय मुखिया मौजूद थे।

**वर्ल्ड एड्स डे पर सिरसा में वॉकथॉन और जागरूकता कार्यक्रम**



सिरसा। विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली को रवाना करते। फोटो: हरिभूमि

**नालसा के टोल-फ्री नंबर 15100 के बारे में भी जानकारी दी**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वर्ल्ड एड्स डे के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य न्यायिक अधिकारी एवं सचिव श्री प्रवेश सिंगला ने बताया कि सिविल अस्पताल सिरसा से लॉर्ड शिव कॉलेज सिरसा तक एड्स

जागरूकता के लिए एक वॉकथॉन आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम नागरिक अस्पताल सिरसा के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य आमजन में एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इसके साथ-साथ लॉर्ड शिव कॉलेज में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें डिप्टी एलएडीसी कंवरजीत सिंह गिल व अस्मिस्ट एलएडीसी देवेंद्र कौर ने उपस्थित जनसमूह को एड्स की रोकथाम, इसके लक्षण, बचाव के उपायों सहित विस्तृत

जानकारी प्रदान की। साथ ही हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की स्वीकार न्याय एवं सम्मान योजना के बारे में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम में नालसा के टोल-फ्री नंबर 15100 के बारे में भी जानकारी दी गई, जिससे जरूरतमंद लोग मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर सिविल अस्पताल के डॉक्टर पवन, डॉक्टर प्रतीक, डॉक्टर समता, काउंसलर कमाल निर्वाण तथा सामाजिक कार्यकर्ता बलवंदर भी मौजूद रहे।

**विश्व एड्स दिवस पर एचआईवी मुक्त भारत की ली शपथ**

सिरसा। नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में रेड रिबन क्लब एवं यूथ रेडक्रॉस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न विद्यालयों में विश्व एड्स दिवस पर सोमवार से आगामी 30 दिसंबर तक महावाच चलने वाले जागरूकता अभियान के तहत भाषण एवं ऑनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कॉलेज प्राचार्या डॉ. पूनम मिश्रा ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य एचआईवी संक्रमण रोकने के लिए जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि पूरे माह रैली, वॉकथन, पोस्टर मेकिंग, डोक्यूमेंटरी फिल्म इत्यादि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी करवाया जाएगा। सर्वप्रथम यूथ रेडक्रॉस कमेटी की इंचार्ज रेनु बाला द्वारा ऑनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता करवाई गई जिसका मुख्य विषय नकारात्मक धारणा बीमारों से भी अधिक खतरनाक होती है रहा। जिसके तहत छात्राध्यपकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने लेख भेजे। कुसुमलता, डॉ. बबिता रानी व मीनू ने निर्णायक मंडल की भूमिका को निर्वाहन करते हुए हर्षिका, अकांक्षा, रिद्धिम को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय घोषित किया। इसी कड़ी में रेड रिबन की इंचार्ज डॉ. चंदना रानी ने डिस्क्शन, ट्रॉसफॉर्मिंग द एड्स रिसर्पोस विषय पर भाषण प्रतियोगिता करवाई। बीएड प्रथम वर्ष के शिक्षण प्रशिक्षण अग्रयास कार्यक्रम और बीएड द्वितीय वर्ष के इंटरशिप कार्यक्रम के दौरान छात्राध्यपकों ने भाषण के माध्यम से सभी को एचआईवी एड्स के बारे में जानकारी दी। इस दौरान नैको एच तथा 1097 टोल फ्री नंबर की जानकारी दी गई।



सिरसा। जागरूकता रैली को हरीझंडी दिखाकर रवाना करते डॉ. जय प्रकाश।

**विश्व एड्स दिवस पर शिक्षण संस्थानों में निकाली जागरूकता रैली**

सिरसा। विश्व एड्स दिवस पर सोमवार को जिले सिरसा के शिक्षण संस्थानों व नागरिक अस्पताल में जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें विद्यार्थियों ने बड़बुद कर भाग लिया। इसी क्रम में जेसीडी विद्यापीठ में रेड रिबन क्लब के सौजन्य से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को जेसीडी विद्यापीठ के महानिदेशक डा. जयप्रकाश ने हार्डी दिखाकर रवाना किया। मुख्य अतिथि डा. जयप्रकाश ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व एड्स दिवस 1988 के बाद से 1 दिसंबर को हर साल मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य एचआईवी संक्रमण के प्रसार की वजह से एड्स महामारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। एड्स के संबंध में आमतौर पर अशुभकृतियां यौन संबंध माना जाता है। इसके अलावा भी संक्रमित इंजेक्शन का इस्तेमाल करने, संक्रमित ब्लड चढ़ाने एवं संक्रमित मां से नवजात को भी एड्स हो सकता है। यदि लोग इन सब के प्रति जागरूक रहे तो एड्स जैसे खतरनाक रोग से बचा जा सकता है।

**एनसीएम स्कूल कागदाना में वार्षिक खेल समारोह संपन्न**



सिरसा। कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

चोपटा। एनसीएम स्कूल कागदाना में सोमवार को 32वें वार्षिक खेल समारोह संपन्न हो गया। अंतिम दिन का पहला कबड्डी फाइनल मैच अंडर 19 बॉयज टीम आजाद हाउस व टीम सुखदेव हाउस के बीच हुआ। यह मैच दो बार टाई होने के बाद गोल्डन रेंड में फाइनल फैसला हुआ। आज का यह मैच बड़ा ही धमाकेदार रहा। इसके बाद दूसरा मैच अंडर 17 बॉयज टीम डी (राजगुरु हाउस) व टीम बी (मगत सिंह हाउस) के बीच कबड्डी का हुआ। यह मैच टाई रहा रहा। फिर पांच पांच रैड का मोकामला करवा कर फैसला हुआ। अंत में यह मैच राजगुरु हाउस ने जीत लिया। स्कूल के 32वें खेल समारोह में एनसीएम खेल रत्न सहित 640 इनाम वितरित किए गए। आज के इस खेल समारोह में बॉयज का एनसीएम खेल रत्न बारहवीं कक्षा के साहिल को मिला व गर्ल्स का एनसीएम खेल रत्न कक्षा ग्यारहवीं की दीपिका को मिला।

**विद्यार्थियों ने शिमला-कुफरी का किया प्राकृतिक भ्रमण**



फतेहाबाद। शैक्षणिक भ्रमण का आनंद करते गांधी विद्या मंदिर स्कूल के विद्यार्थी।

फतेहाबाद। सेक्टर -12 में स्थित गांधी विद्या मंदिर स्कूल के विद्यार्थी प्राकृतिक भ्रमण पर शिमला व कुफरी गए। पंचकूला से निकलते ही पहाड़ी रास्तों का घुमावदार सफर शुरू हुआ। चारों ओर फैली पहाड़ियों की प्राकृतिक आभा देखते ही बनती थी। इस पर्वतीय यात्रा का सखने खूब आनंद लिया। वहां पर बच्चों ने विभिन्न प्राकृतिक दृश्य देखे। कुफरी पीक पर बर्फ से आच्छादित पहाड़ियों का 360 डिग्री व्यू टेलिस्कोप के माध्यम से देखा गया। रात को कुफरी के होटल में विद्यालय के प्रिंसीपल मिस्टर सुशील शर्मा व वाइस प्रिंसीपल मिसेज मेनिका शर्मा ने बोनफायर का आनंद लेंते हुए सभी विद्यार्थियों के साथ मिलकर अंतर्द्वारी खेली। बच्चों ने शिमला की प्रसिद्ध चर्च, इंदिरा गांधी पॉइंट, रिज मैदान, जाखू मंदिर आदि विभिन्न प्रसिद्ध स्थलों का भ्रमण भी किया। यात्रा के अंत में बच्चों ने पंचकूला स्थित पारस डाउन टाउन मॉल में अल्प डिस्कर का आनंद भी लिया। ट्रिप पर गए सभी बच्चों, अध्यापकों ने टूर मेनेजर रामपाल शर्मा का धन्यवाद किया। सभी के लिए इस प्राकृतिक यात्रा का अनुभव अविस्मरणीय रहा।

**पुलिस बल ने किया मार्च-पास्ट और दक्षता का प्रदर्शन**



फतेहाबाद। पुलिस परेड के दौरान कर्मचारियों को निर्देश देते एसपी सिद्धांत जैन।

फतेहाबाद। सेवा, सुरक्षा और सहयोग के मूल मंत्र को सांथक करते हुए पुलिस लाइन, फतेहाबाद में पुलिस परेड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के पुलिस बल ने अनुशासन, आत्मबल और सजगता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व फतेहाबाद के पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने किया। उन्होंने परेड का निरीक्षण करते हुए पुलिसकर्मियों की तत्परता, शारीरिक दक्षता एवं अनुशासन की प्रशंसा की। निरीक्षण उपरंत एसपी जैन ने कहा कि एक सतर्क प्रहरी का मन और शरीर, दोनों सशक्त होने चाहिए। पुलिसिंग केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि सेवा-भावना और समर्पण से परिपूर्ण एक जीवनशैली है। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निरंतर अभ्यास, ऊर्जावान मनोबल तथा नैतिक प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया।

**मुख्य सिपाही सुभाषचंद्र सहायक उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नत**



फतेहाबाद। पुलिस विभाग में उत्कृष्ट कार्य, अनुशासन और निरंतर बेहतर प्रदर्शन के आधार पर मुख्य सिपाही सुभाषचंद्र को आज सहायक उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए स्टार लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सुभाषचंद्र जैसे परिश्रमी, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी विभाग की बड़ी पूंजी हैं। उनकी सेवाओं और समर्पण को देखते हुए यह पदोन्नति पूरी तरह योग्य है। मुझे भरोसा है कि वे नई जिम्मेदारी को भी पूरी निष्ठा से निभाएंगे। पदोन्नत अधिकारी सुभाषचंद्र ने भी पुलिस अधीक्षक का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें आगे और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देगा। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं सहयोगियों ने भी उन्हें पदोन्नति को बधाई दी।

**फतेहाबाद। पदोन्नत सुभाष चंद्र को स्टार लगाकर बधाई देते एसपी।**

**अभियान सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल ने जागरूकता वाहन को दिखाई हरी झंडी**

**फतेहाबाद में कानूनी जागरूकता अभियान की शुरुआत**

गांव-गांव जाकर लोगों को उनके अधिकारों की जानकारी दी जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सौजन्य से ग्रामीण क्षेत्रों और दूरवर्ती क्षेत्र में लोगों को कानूनी पहलुओं की जानकारी देने के लिए एक विशेष कानूनी जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल ने सोमवार को जिला एडीआर सेंटर से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सेशन जज



दीपक अग्रवाल ने अधिवक्ताओं को कहा कि जागरूकता वाहन के द्वारा कानूनी जागरूकता अभियान शुरू किया गया है।



सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल ने जागरूकता वाहन को दिखाई हरी झंडी

**इन गांवों में आयोजित होंगे शिविर**

सीजेएम गायत्री ने बताया कि 1 दिसंबर को गांव दरियापुर में एडवोकेट सुभाष चंद्र जांगू व पीएलवी राजबाला, 2 दिसंबर को गांव खारा खेड़ी में एडवोकेट शाहनवाज व पीएलवी मन्ना रानी, 3 दिसंबर को गांव अरालकी में एडवोकेट मोहनलाल भांगू व पीएलवी विश्वामित्र, 4 दिसंबर को गांव भोड़ा होसनाक में एडवोकेट मुकेश कुमार व पीएलवी महेंद्र सिंह, 5 दिसंबर को गांव धौलू में एडवोकेट पुनम रानी व पीएलवी गीता रानी, 6 दिसंबर को गांव झालनिया में एडवोकेट कमलेश चहिल व पीएलवी रीटा जांगड़ा, 8 दिसंबर को गांव खाड़वा कला में एडवोकेट अमन भट्टी व पीएलवी सरला रानी, 9 दिसंबर को गांव जांडली कला में एडवोकेट सुभाष चंद्र व पीएलवी दर्शना, 10 दिसंबर को गांव किरदान में एडवोकेट शाहनवाज व पीएलवी सनिता देवी, 11 दिसंबर को गांव करनौली में एडवोकेट मोहनलाल भांगू व पीएलवी राकेश कुमार, 12 दिसंबर को गांव भट्ट कला में एडवोकेट अमन भट्टी व पीएलवी सनिता रानी, 15 दिसंबर को गांव गोलिया में एडवोकेट दीपक कुमार व पीएलवी मन्नादीप कौर ग्रामीणों को जागरूक करेंगे। इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट दिनेश गैरा, पीयूष बत्रा, सुभाष चंद्र जांगू, मुकेश, मोहनलाल भांगू, कवील नारंग, सुमन लता सिवाव, प्रवेश मेहता, बलकंठ सिंह रांधू सहित पैनल अधिवक्ता व जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के कर्मचारी मौजूद रहे।

सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल ने जागरूकता वाहन को दिखाई हरी झंडी

अभियान सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल ने जागरूकता वाहन को दिखाई हरी झंडी

इन गांवों में आयोजित होंगे शिविर

पुलिस ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

